

२०/०६  
२५

वकील वादी उपस्थित नहीं। वादी व्यंग  
भी उपस्थित नहीं। इन्की अनुपस्थिति बाबत  
कोर्टे कारवा भी पेशा नहीं हुआ। बार-बार  
आवाज लगावाई गई। अतः यह वाक-पत्र  
अदम पैरवी अदम हाजरी में स्वीकार किया  
जाता है। पत्रावली निबंध में सुमार की जाकर  
सम्बर से काम हो गया तरीक लफ्फा लोकर  
दरियल दफ्तर ही।